



ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

आचार्य मनिष र. जोशी  
सचिव

**Prof. Manish R. Joshi**

Secretary



सत्यमेव जयते

75  
आज़ादी का  
अमृत महोत्सव

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग  
**University Grants Commission**

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)  
(Ministry of Education, Govt. of India)

D.O.No.F.157528/UGC/MBD/2025

29 माघ, 1946/18th February, 2025

**Subject: Grand Celebration of *Matribhasha Diwas* on 21st February 2025**

Dear Madam/Sir,

The Ministry of Education takes immense pride in celebrating *Matribhasha Diwas* on 21st February 2025 with the aim of promoting the richness and vitality of Indian languages and fostering a sense of pride in our linguistic heritage. India's unity in diversity is exemplified through its vast array of mother tongues, each carrying a unique cultural identity and historical significance. Recognizing and preserving these languages is essential for sustaining our civilizational wisdom, knowledge traditions, and literary heritage.

Language is not just a medium of communication; it is the soul of a culture, a vessel of knowledge, and a bridge connecting generations. Celebrating *Matribhasha Diwas* reinforces the importance of mother tongues in education and knowledge development. It aligns with the vision of the National Education Policy (NEP) 2020, which strongly advocates multilingualism and the promotion of Indian languages in academics, research, and communication.

The Ministry encourages all Higher Education Institutions to celebrate *Matribhasha Diwas* in a grand and meaningful manner, ensuring the active participation of students and faculty across disciplines. Besides, you are also requested to incessantly promote the use of mother tongue in teaching, learning and research. The celebrations should focus on making mother tongues aspirational languages by fostering discussions, competitions, and creative expressions that highlight their significance. The details of proposed activities for HEIs follow this letter.

All Higher Education Institutions are requested to organize and actively promote *Matribhasha Diwas* in a manner befitting its significance. The activities should be monitored and documented, and a comprehensive report on the celebrations may be submitted to the 'University Activity Monitoring Portal' of UGC at <https://uamp.ugc.ac.in>

We look forward to your enthusiastic participation in preserving and promoting the linguistic diversity of India, reinforcing our commitment to national integration, cultural harmony, and knowledge expansion through our mother tongues.

Let us come together to celebrate *Matribhasha Diwas* and strengthen the foundation of our multilingual heritage!

सादर,

  
(मनिष जोशी)

To

**The Vice Chancellor/ Director/ Principal of all Higher Education Institutions (HEIs)**

## **Proposed Activities for HEIs**

Higher Education Institutions may organize the following activities to mark the occasion:

- Academic Discussions & Debates: Faculties and students may engage in panel discussions, seminars, and interactive sessions on the importance of mother languages and the implementation of multilingualism in education.
- Competitions & Cultural Events:
  - Elocution and Debating competitions in various Indian languages.
  - Essay Writing & Poetry contests celebrating linguistic heritage.
  - Singing, Drama, and Music Performances showcasing regional traditions.
  - Painting & Exhibitions reflecting the beauty of Indian languages and cultures.
- Tagline for the Event: *"Talent and Ability Development through Mother Tongue"* – emphasizing the role of language in fostering creativity, intellect, and personal growth.

All higher education institutions are requested to organize these activities on a grand scale and contribute to making this national event a success.

Thank you!



ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

आचार्य मनिस र. जोशी  
सचिव

Prof. Manish R. Joshi  
Secretary



सत्यमेव जयते

75  
आज़ादी का  
अमृत महोत्सव

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग  
University Grants Commission

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)  
(Ministry of Education, Govt. of India)

D.O.No.F.157528/UGC/MBD/2025

29 माघ, 1946/18<sup>th</sup> February, 2025

विषय: 21 फरवरी 2025 को मातृभाषा दिवस के भव्य आयोजन के संबंध में

आदरणीय महोदया/ महोदय,

शिक्षा मंत्रालय 21 फरवरी 2025 को मातृभाषा दिवस का उत्सव बड़े गौरव और उत्साह के साथ मना रहा है। इस दिवस का उद्देश्य भारतीय भाषाओं की समृद्धि एवं जीवंतता को बढ़ावा देना और हमारी भाषाई विरासत पर गर्व की भावना को प्रोत्साहित करना है। भारत की "विविधता में एकता" की भावना उसकी असंख्य मातृभाषाओं में परिलक्षित होती है, जो प्रत्येक समुदाय की सांस्कृतिक पहचान एवं ऐतिहासिक महत्व को दर्शाती हैं। इन भाषाओं का संरक्षण एवं संवर्धन हमारी सभ्यतागत ज्ञान परंपरा, साहित्यिक धरोहर एवं बौद्धिक विरासत को बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि एक संस्कृति की आत्मा, ज्ञान का वाहक और पीढ़ियों को जोड़ने वाली सेतु है। मातृभाषा दिवस का उत्सव इस तथ्य को पुनः स्थापित करता है कि शिक्षा एवं ज्ञान-विकास में मातृभाषा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के विज्ञान के अनुरूप है, जो बहुभाषावाद (Multilingualism) और भारतीय भाषाओं के शिक्षण, अनुसंधान एवं संचार में प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देता है।

शिक्षा मंत्रालय सभी उच्च शिक्षण संस्थानों (HEIs) से अनुरोध करता है कि वे इस अवसर को भव्य और सार्थक रूप में मनाएँ और यह सुनिश्चित करें कि छात्रों और संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी हो। साथ ही, अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान में भी मातृभाषा के प्रयोग को भी निरंतर प्रोत्साहित करें। यह उत्सव मातृभाषाओं को महत्व देने और उन्हें प्रेरणादायक भाषाओं के रूप में विकसित करने के लिए चर्चाओं, प्रतियोगिताओं और रचनात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से मनाया जाए। इस संबंध में प्रस्तावित गतिविधियों का विवरण इस पत्र के साथ संलग्न है।

सभी उच्च शिक्षण संस्थानों से अनुरोध है कि वे इस दिवस को पूरे उत्साह के साथ मनाएँ और इसे एक सार्थक आयोजन बनाएँ। आप से अनुरोध है कि सभी गतिविधियों की समीक्षा एवं प्रलेखन किया जाए, और इस आयोजन पर एक विस्तृत प्रतिवेदन यूजीसी के गतिविधि निगरानी पोर्टल <https://uamp.ugc.ac.in> पर अपलोड करें।

हम भारत की भाषायी विविधता को संरक्षित और प्रोत्साहित करने तथा राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक सद्भाव और ज्ञान-विस्तार में योगदान देने के लिए आपके सक्रिय सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

आइए, मिलकर मातृभाषा दिवस का उत्सव मनाएँ और हमारी बहुभाषीय विरासत की नींव को और मजबूत करें!

सादर,

(मनिस जोशी)

प्रति-

सभी उच्च शिक्षण संस्थानों (HEIs) के कुलपति, निदेशक तथा प्राचार्य

## सभी उच्च शिक्षण संस्थानों (HEIs) के लिए प्रस्तावित गतिविधियाँ:

### 1. शैक्षणिक चर्चें एवं वाद-विवाद:

- प्रोफेसरों एवं छात्रों के बीच पैनल चर्चें, संगोष्ठियाँ एवं संवाद सत्र आयोजित किए जाएँ, जिनमें मातृभाषाओं के महत्व और शिक्षा में बहुभाषावाद के क्रियान्वयन पर चर्चा हो।

### 2. प्रतियोगिताएँ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम:

- भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिता (विभिन्न भारतीय भाषाओं में)।
- निबंध लेखन एवं काव्य प्रतियोगिता, जिसमें भाषाई विरासत का उत्सव मनाया जाए।
- गायन, नाटक एवं संगीत प्रदर्शन, जो क्षेत्रीय परंपराओं को दर्शाएँ।
- चित्रकला एवं प्रदर्शनी, जिसमें भारतीय भाषाओं और संस्कृतियों की सुंदरता को उजागर किया जाए।

### 3. आयोजन का आदर्श वाक्य (Tagline):

*"मातृभाषा के माध्यम से प्रतिभा और क्षमता का विकास"*

यह भाषा की रचनात्मकता, बौद्धिकता और व्यक्तिगत विकास में भूमिका को दर्शाता है।

सभी उच्च शिक्षण संस्थानों से अनुरोध है कि वे इन गतिविधियों को भव्य रूप से आयोजित करें और इस राष्ट्रीय आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

सादर धन्यवाद!